हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 4 फरवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

श्री हनुमान जी एवं श्री भोलेनाथ जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 8 फरवरी को

नारायणगंज। बस स्टैंड नारायणगंज में श्री हनुमान जी एवं श्री भोलेनाथ जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 8 फरवरी को रखा गया है जिसमें सार्वजनिक ग्रामवासी एवं विधायक चैन सिंह बरकडे द्वारा 2 लाख की राशि मंदिर निर्माण में समर्पित की गई एवं ग्राम वासियों के सहयोग से मंदिर का निर्माण कराया गया है रविवार 8 फरवरी 2026 को मंडप प्रवेश पंचांग पूजा गौरी गणेश पूजा कलश पूजन एवं ब्राह्मण वर्ण किया जाएगा सोमवार 9 फरवरी को भव्य कलश यात्रा समय दोपहर 1:00 से पीठ पूजन दस विधि स्नान अधिवास अखंड राम कीर्तन मंगलवार 10 फरवरी को अभिषेक प्रमाण प्रतिष्ठा हवन शांति पूजन कन्या भोज एवं प्रसादी वितरण बुधवार 11 फरवरी 2026 को विशाल भंडारा दोपहर 1:00 बजे से प्रभु के इच्छा तक कृपा अधिक से अधिक संख्या में बस स्टैंड नारायणगंज में आकर मूर्ति स्थापना एवं भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें सभी लोग आसपास क्षेत्र के लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है अधिक से अधिक लोगों को आने की अपील की गई है।

रामेश्वरम-मदुरई तीर्थदर्शन के लिए आवेदन 5 फरवरी तक

मण्डला। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत मण्डला जिले में 19 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा करायी जा रही है। तीर्थ यात्रा के इच्छुक 250 व्यक्तियों से 5 फरवरी 2026 तक आवेदन पत्र तहसीलदारों द्वारा प्राप्त किया जाना है, ताकि 6 फरवरी तक आई.आर.सी.टी.सी. भोपाल को सूची उपलब्ध करायी जा सके। यात्रा 19 फरवरी से 25 फरवरी तक कुल 7 दिवस की होगी। तीर्थ यात्रियों को जिला प्रशासन द्वारा तहसील नैनपुर रेल्वे स्टेशन तक पहुंचाया जायेगा, जहाँ से यात्रा प्रारंभ होगी तथा 25 फरवरी को यात्रा वापस आने पर मण्डला वापस लाया जायेगा। यात्री अपने साथ मौसम के अनुरूप व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री आदि साथ में रखेंगे, साथ ही विशिष्ठ सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए स्वयं को वहन करेंगे। यात्रा के दौरान ट्रेन में यात्रीगण अपने साथ आधार कार्ड, परिचय पत्र रखेंगे।

साक्षी पंद्राम ने सहकारी बैंक की सीईओ का पदभार ग्रहण किया

मण्डला। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मंडला में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित भोपाल द्वारा की गई पदस्थापना के परिपालन में सुश्री साक्षी पंद्राम ने सोमवार को जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। प्रबंधक प्रशासन सुश्री पंद्राम की पदस्थापना शीर्ष बैंक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित भोपाल द्वारा की गई है।

जनपद अध्यक्ष ने सड़क निर्माण कंपनी एवं अधिकारियों से की बात

7 दिनों में बेहतर होगी सड़क

*** सड़क के डिजाईन पर भी उठ रहे सवाल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मण्डला-डिण्डौरी निर्माणाधीन सड़क मार्ग से स्थानीय लोग पिछले लगभग 08 माह से परेशान हैं बारिश के पूर्व ही अच्छी खासी सड़क को खोद दिया गया था पूरी बारिश कीचड़ के बीच से लोगों का आना-जाना हुआ और जब बारिश बंद हुई तो एक बार पुनः सड़क को खोदा गया और सड़क में सिर्फ गिट्टी और पत्थर ही दिखाई देने लगे आने-जाने वाले वाहन न केवल दुर्घटनाग्रस्त हो रहे थे बल्कि उड़ते धूल के गुब्बार से लोग बीमार भी पड़ने लगे। जब खबरें मीडिया के माध्यम से चर्चा में आई और लोगों ने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाईन में भी की तब कहीं जाकर सड़कों पर पानी की तराई की जानी लगी और थोड़ी बहुत सड़क को आने-जाने लायक बनाया गया लेकिन फिर इसमें लापरवाही होने लगी पानी जो दिन में 03 से 04 समय डाला जाता था वह 01-02 बार ही और कई दिनों में तो डाला भी नहीं जाता। सड़कों के किनारे जो गिट्टियाँ हैं उनसे दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। आने-जाने वाले वाहन भी क्षतिग्रस्त होते हैं बीमार लोगों को जबरदस्त परेशानी हो रही है इस तरह की और भी समस्याओं को लेकर जब लोगों ने जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई तो बड़े जनप्रतिनिधियों ने तो इसे संज्ञान में नहीं लिया लेकिन स्थानीय जनपद सदस्य जो कि जनपद के अध्यक्ष भी हैं उन्होंने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुये सड़क निर्माण कंपनी के अधिकारियों एवं शासन के अधिकारियों से चर्चा की उन्हें साथ में लिया और पूरी सड़क का मुआयना किया जहां-जहां समस्या थी उसे उस जगह पर ही खड़े होकर अधिकारियों से मंत्रणा की शासन के जो वरिष्ठ अधिकारी थे उन्होंने इस पीड़ा को समझा और निर्माण कंपनी के अधिकारियों से कहा कि इस पर शीघ्र ही कार्य होना चाहिये सड़क जब बनेगी तब बनेगी लेकिन अभी तो इस स्थिति में हो कि लोग आसानी से आना-जाना कर सकें। जनपद अध्यक्ष सोनू भलावी के इस प्रयास पर सड़क निर्माण कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि वे 07 दिनों के अंदर इस सड़क को बेहतर स्थिति में ला देंगे ताकि लोगों को यहां से आने-जाने में परेशानी न हो और फिर एक तरफ की सड़क बनाई जायेगी और दूसरी ओर वाहनों के आने-जाने के लिये बेहतर स्थिति का निर्माण किया जायेगा। नई सड़क निर्माण में जिस तरह से मोड़ बनाये जा रहे हैं उसको लेकर भी लोगों ने प्रश्न उठाये सीधी सड़क को अब कहीं बायें मोड़ा जा रहा है तो कहीं दाहिनी ओर मोड़ दिया गया है कहा जा रहा है कि यह सब कुछ पहले से ही डिजाईन किया गया है उसी के अनुसार हम निर्माण का रहे हैं नई सड़क पर तो मोड़ किये जाते हैं यहां अनावश्यक मोड़ बनाये जा रहे हैं यह समझ से परे है।

भारी डंपर के चलते सड़कें हुई बदहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/बम्हनीबंजर

रेत ठेकेदार की मनमानी और प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के चलते प्रधानमंत्री सड़क दुर्दशा का शिकार हो गई है। बरबसपुर से बम्हनीबंजर तक की कई सड़कें भारी डम्परों की आवाजाही के चलते मार्ग खस्ताहाल हो गई है लेकिन प्रशासनिक अधिकारी का इस ओर जरा सा भी ध्यान नहीं है, जिससे बिना बारिश के भी डामर वाली सड़क कीचड़ में सनी हुई है, जिससे स्कूली बच्चों के साथ-साथ ग्रामीणों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जलीय जीव-जंतुओं व पर्यावरण को हो रहा नुकसान

यहाँ बंजर नदी के बीचोंबीच रैम्प बनाकर रेत निकासी की जा रही है जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है। यहाँ ठेकेदार नदी पर बड़ी-बड़ी पोकलेन मशीन उतारकर रेत का उत्खनन कर रहें हैं, रैंप बनाने के लिए नदी में पानी के बहाव भी मोड़ा गया है। नदी के बीच में से रेत निकालने से इसके इकोसिस्टम पर असर पड़ता है और जलीय जीव जंतुओं को भी नुकसान पहुंचता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध उत्खनन पर जल्द ही रोक लगाई जाए ताकि पर्यावरण और जलीय जीव-जंतुओं को नुकसान न हो।

बड़े भू-खण्ड को उप विभाजित करके विक्रय कर निर्मित कॉलोनी अवैध घोषित

मण्डला। न्यायालय अपर कलेक्टर से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकरण क्रमांक 0125/ब-121/2025-26 म.प्र. शासन विरुद्ध प्रेमनारायण जायसवाल आ. तेजीलाल जायसवाल, निवासी महाराजपुर तहसील व जिला मण्डला में 29 जनवरी 2026 को आदेश पारित कर ग्राम महाराजपुर, पटवारी हल्का नं. 34, रा.नि.मं. महाराजपुर, तहसील व जिला मण्डला स्थित खसरा नम्बर 306/4/1/1/1/1 /1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.259 हे. भूमि को भूमिस्वामी प्रेमनारायण जायसवाल आ. तेजीलाल जायसवाल, निवासी महाराजपुर तहसील व जिला मण्डला द्वारा छोटे-छोटे टुकड़ों (14 बटांक) में विक्रय कर निर्मित कॉलोनी को अवैध कॉलोनी घोषित किया गया है। इस आदेश के अनुपालन में तहसीलदार मंडला को अनावेदक के विरूद्ध थाना महाराजपुर में अवैध कॉलोनी निर्माण के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

घर-घर जाकर 4 एवं 5 फरवरी को वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले की समस्त ग्राम पंचायतों के ग्रामों में आयुष्मान भारत निरामयम के अंतर्गत वय वंदना योजना में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाएंगे। 4 एवं 5 फरवरी को ग्राम स्तर पर वृहद सर्वेक्षण के लिए घर-घर जाकर आशा, आंगनबाड़ी, ग्राम रोजगार सहायक का दल भ्रमण करेगा और 70 वर्ष की आयु के जनसमुदाय का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित करेंगे। सर्वेक्षण दल के प्रभारी सी.एच.ओ., ग्राम रोजगार सहायक होंगे।

आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्राम स्तर पर घर-घर जाकर मोबाईल ऐप के माध्यम से आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य करेंगी। सी.एच.ओ. एवं ए.एन.एम. कार्ययोजना अनुसार सर्वे दल के साथ जाकर कार्ड बनायेंगी। रोजगार सहायक कार्ययोजना अनुसार सर्वे दल के साथ जाकर कार्ड बनायेंगे। विकासखण्ड स्तर पर सर्वेक्षण दल की रिपोर्टिंग प्रभारी विकासखण्ड कम्यूनिटी मोबिलाईजर द्वारा ली जायेगी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी जिला स्तर पर कम्यूनिटी मोबिलाईजर नोडल अधिकारी के सहायक होंगे एवं 4 एवं 5 फरवरी को वृहद सर्वेक्षण कार्य सुनिश्चित करेंगे।

16 फरवरी से शुरू होगा विधानसभा का सत्र

*** अधिकारियों को समय पर उत्तर तैयार करने के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मध्यप्रदेश विधानसभा का सत्र 16 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रहा है। सत्र को लेकर जिला प्रशासन ने सभी विभागों को आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार, समस्त कार्यालय प्रमुख अपने अधीनस्थ अमले को अवगत कराएं तथा प्राप्त होने वाले विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में तैयार कर उत्तर पोर्टल के माध्यम से ई-उत्तर संबंधित विभाग को भेजें। इसके साथ ही भेजे गए उत्तरों की एक प्रति कार्यालय में भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। विधानसभा सत्र के दौरान अवकाश के दिनों में भी विधानसभा प्रश्न कार्यालय, कलेक्टर से प्राप्त प्रश्नों को संकलित करने एवं उनके उत्तर जमा कराने के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए इन कर्मचारियों के नाम एवं मोबाइल नंबर कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही विभाग एवं कार्यालय प्रमुखों को मोबाइल चालू रखने, जिला प्रशासन के निरंतर संपर्क में रहने तथा कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अनुमति के बिना अवकाश पर न जाने और मुख्यालय न छोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विधानसभा सत्र से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

2 लाख से अधिक बकाया राशि वसूलने के दिए निर्देश

मण्डला। मुख्य अभियंता जबलपुर के द्वारा 2 लाख से अधिक बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने उपभोक्ताओं से बात की और वसूली के लिए उपस्थित अधिकारियों को सघन कठोरात्मक कार्यवाही करते हुये बची राशि वसूलने के लिए निर्देशित किया गया। वर्तमान में बिछिया संभाग अंतर्गत अंजनिया वितरण केन्द्र में 2 लाख से अधिक बकायादार जिन पर कुर्की की कार्यवाही शीघ्र की जायेगी। अंजनिया वितरण केन्द्र श्री दिलीप सुखवानी कुर्की करने के लिए बी फार्म जारी किया गया एवं सी फार्म जारी कर चल अचल संपत्ति की कुर्की की कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। अंजनिया वितरण केन्द्र श्रीमति अर्चना मिश्रा घर व राइस मिल की लाईन विच्छेदित है बी फार्म जारी किया गया है एवं सी फार्म जारी कर चल अचल संपत्ति की कुर्की की कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

ऑटिज्म पीड़ित बालक के उपचार के लिए तत्काल रेडक्रॉस से मिली आर्थिक मदद

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने फिर संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में उन्होंने मजबूर पिता की पुकार सुनते ही तत्काल आर्थिक सहायता मंजूर कर पीड़ित परिवार को बड़ी राहत दी। श्री राम वार्ड निवासी राहुल दुबे मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर श्री मिश्रा को बताया कि उनका पुत्र ऑटिज्म जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है। बच्चे के लंबे समय से चल रहे इलाज और दवाओं के खर्च के कारण परिवार आर्थिक तंगी का सामना कर रहा था। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मामले की गंभीरता और बालक की स्थिति को देखते हुए बिना किसी देरी के रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से तत्काल 11 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की और मौके पर ही राहुल दुबे को चेक प्रदान किया।

प्राथमिक शाला में लालगंज में अनुपस्थित मिले शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत मजगांव के लालगंज प्राथमिक शाला में विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला लालगंज में शिक्षक अनुपस्थित पाए गए यहां पर कक्षा 1 से 5 तक बच्चे अध्ययन करने आते हैं जिसमें कुल 18 बच्चे बच्चियों की संख्या है जिसमें कक्षा 1 में छात्राओं की संख्या 6 कक्षा 2 में छात्रों की संख्या दो कक्षा तीन में छात्रों की संख्या 6 कक्षा 4 में छात्र की संख्या एक कक्षा 5 में छात्रों की संख्या तीन कुल 18 है इन 18 बच्चों को पढ़ने के लिए दो शिक्षक जिनमें से एक अतिथि शिक्षक एवं एक रेगुलर शिक्षक पढ़ा रहे हैं निरीक्षण के दौरान अतिथि शिक्षक मात्र शाला में मिला बच्चों के द्वारा पूछे जाने पर बताया गया कि शिक्षक ने बच्चों से बताया कि मीटिंग में जा रहे हैं परंतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी के संपर्क करने पर पता चला कि किसी प्रकार की कोई मीटिंग नहीं है प्राथमिक शाला लालगंज में बच्चों के लिए बाथरूम की स्थिति जर्जर है जहां पर दरवाजा भी नहीं है मौके में आकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने तत्काल नोटिस जारी की इस तरह से ऐसी कई शालाएं हैं जहां पर छात्र को पढ़ना के लिए शिक्षक झूठ बोलकर उपस्थिति देकर चले जाते हैं इन पर ठोस कार्रवाई होना चाहिए परीक्षाओं का समय नजदीक आ गया इसके बाद भी शिक्षकों की लापरवाही के कारण शिक्षा के स्तर गिरता जा रहा है।

कार्यवाही | मण्डला पुलिस ने ठगी करने वाले 2 साइबर आरोपियों को नोएडा से किया गिरफ्तार।

मैक्स लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर 11 लाख की ठगी

*** त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से मिली बड़ी सफलता**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले में ऑनलाइन NCRP (1930) पोर्टल पर प्राप्त साइबर फ्रॉड शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए मण्डला पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

महिला से इंश्योरेंस पॉलिसी की मैच्योरिटी के नाम पर ठगी करने वाले 02 साइबर ठगों को नोएडा (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार किया गया है। ऑनलाइन 1930 साइबर पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायत के आधार पर ई-जीरो एफआईआर क्रमांक 155/26, धारा 318(4), 319(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत थाना महाराजपुर में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। शिकायतकर्ता प्रमिला तेकाम, उम्र 51 वर्ष, निवासी गौकुलधाम कॉलोनी, महाराजपुर, जिला मण्डला ने बताया कि वर्ष 2015 में उनके द्वारा मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की पॉलिसी ली गई थी, जिसकी केवल प्रथम वर्ष की किस्त (रु 27150/-) जमा की गई थी। दिनांक 12.12.2025 से अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर स्वयं को इंश्योरेंस कंपनी का मैनेजर बताकर पॉलिसी री-ओपन, एनओसी एवं मैच्योरिटी राशि दिलाने का झांसा दिया गया। आरोपियों द्वारा येस बैंक एवं इंडियन ओवरसीज बैंक खातों के माध्यम से फोन-पे द्वारा अलग-अलग तिथियों में कुल 10,95,840/- की राशि छलपूर्वक ट्रांसफर करवाई गई। पुलिस अधीक्षक मण्डला के निर्देश पर थाना महाराजपुर द्वारा साइबर सेल से तकनीकी विश्लेषण, बैंक खातों की जानकारी एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की लोकेशन नोएडा (गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र.) में पाई गई। थाना महाराजपुर की टीम द्वारा नोएडा साइबर थाना के सहयोग से 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर मण्डला लाया गया। गिरफ्तार आरोपी में गौरव, पिता महेश सिंह प्रजापति, सचिन, पिता श्रीचंद वाल्मीकि शामिल रहे आरोपियों से सतत पूछताछ जारी है एवं प्रकरण में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। इस कार्यवाही में एसडीओपी मण्डला पियूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महाराजपुर निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव, उनि जितेन्द्र यादव, प्र.आर. चंद्रशेखर, केशव मरावी, आरक्षक शिवा नाविक, अमित गरयार, सुरेश भटेरे एवं नोएडा साइबर थाना पुलिस की सराहनीय भूमिका रही।

खबर संक्षेप

कहने के लिये बना हुआ है ब्लाक मुख्यालय अनेक कार्यालयों का संचालन हो रहा गाडरवारा से

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है, वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है वही शासकीय इन शालाओं में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है, जिसका परिणाम है कि कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो अनेक स्कूलों में शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है, शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है। वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है, जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षाकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए मगर उनके द्वारा निरीक्षण के नाम पर मात्र औपचारिकता पूर्ण करने की शैली के चलते अप डाऊन प्रवृति में लिप्त रहने वाले शिक्षकों के हौसले बुलंदियों पर नगर आने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है। ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो सांईखेड़ा ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है। मगर उनका संचालन गाडरवारा से होने के कारण यहां के शिक्षा विभाग के लिए बने हुए कार्यालयों में मात्र दिखाबा ही साबित होकर रह गये है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि इन कार्यालयों का संचालन जब गाडरवारा से ही होना है तो उनकी स्थापना यहां होने का क्या उपयोगिता है? जिनका मुख्यालय कहने के लिए तो ब्लाक स्तर पर है और संपूर्ण कार्य दूसरी जगहों से संचालित हो रहे है।

लक्ष्मी जी की कृपा से सही हो जाता है आडिट, कमीशन का यह खेल चल रहा है अनेक कार्यालयों में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासकीय व्यवस्था है कि सरकार स्वयं सभी विभागों के कामकाज पर आसानी से नजर नही रख सकती इसके लिए यह व्यवस्था बनायी गयी कि साल में एक या दो बार शासन के द्वारा नामित संस्था के व्यक्तियों द्वारा इन शासकीय विभागों के कामकाज का ब्यौरा लिया जाये तथा संस्था के जो अधिकारी विभागों के काम काज संभाले हुए है उनके दस्तावेज एवं महत्वपूर्ण फाइलों की जांच करते है वे चार्टर एकाउटेंड होते है जिन पर सरकार को विश्वास होता है कि वे छोटी से छोटी गलती एवं बहुत ही चालकी से की गयी बड़ी से बडी गडबड़ियों को आसानी से पकड लेगे और इन सभी कार्यो का विस्तृत ब्यौरा से सरकार को अपने अधिकारियों के माध्यम से भेजते है। जिसके चलते शासकीय विभागों में ये ऑडीटर ऑडिट हेतु जाते है, मगर देखा जाता है कि वहां पर उनकी आव भगत किसी राजसी मेहमान से कम नही होती है जिसके चलते अक्सर शासकीय कार्यालयों में ऑडिट करने पहुंचने वाले इन अधिकारियों को उन शासकीय कार्यालयों के प्रमुखों द्वारा अच्छी से अच्छी होटलों में ठहराया जाता है तथा ऊंची कीमत के पेन से लेकर उपयोग की सभी उच्च स्तरीय की सामग्री उपलब्ध करायी जाती है।

लगता है कि प्रकृति की मार अन्नदाता को बर्बाद करके ही छोड़ेगी, बैमौसम छाने वाले बादलों से गेंहू सहित अन्य फसलों में बढ़ रहा इल्ली सहित अन्य कीटों का प्रकोप...

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये रातदिन एक करते हुये मेहनत करने में जुटा हुआ है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस तरह कुछ दिन अच्छी ठंड का अहसास होने के बाद आसमान पर छाने वाले बादलों से यह अनुमान लगने से चूक पा रहा है कि शायद प्रकृति की मार इन किसानों का पीछा नही छोडेगी और आसमान की ओर देखकर किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है? क्योंकि खाद सहित अन्य प्रकार की परेशानियों का सामना करते हुये किसानों द्वारा अपने खेतों में बोनी करने के बाद फसल तैयार होते हुये देखी जा रही है। मगर आसमान पर छाने वाले बादलों के चलते जहां अन्नदाता की रातों की नींद गायब होने लगी है। क्योंकि बादली होने के चलते किसानों की फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार की बीमारियाँ लगते हुये दिखाई दे रही है। क्योंकि मुख्य रूप से देखा जावे तो किसानों के खेतों में इस समय चना फसल जमीन से ऊँगते हुये हरियानी फैलाने की ओर अग्रसर होते हुये देखे जा रहे है। मगर आसमान पर छाने वाले वादलों ने निश्चित तौर से किसानों को चिंता में डाल दिया गया है। जिसके चलते किसानों की नजर आसमान पर जाकर टिक जाती है और उनकी रातों की नींद गायब होने से नही चूक पा रही है। इस तरह बन बिगड़ रहे मौसम के चलते किसानों के खेतों में तैयार हो रही फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ते हुये दिखाई देने लगा है। इस वर्ष जिस तरह गेंहू फसल में इल्ली दिखाई दे रही है वह निश्चित रूप से हैरत में डालने से नही चूक रही है...? क्योंकि गेंहू फसल में अन्य प्रकार के कीट लगते हुये तो देखा जाता था। मगर इल्ली का प्रकोप शायद पहली बार दिखाई दे रहा होग...? चिंता के बीच डूबे हुये अन्नदाता का कहना है कि हर वर्ष देखा जाता है कि जब सारी परेशानियों को झेलने के बाद अन्नदाता किसानों द्वारा अपने खेतों में इस उम्मीद के साथ फसल की बोनी की जाती है कि शायद इस बार उनका भाग्य संभल जावेगा और प्रकृति साथ दे देगी। मगर जब खेतों में फसले तैयार होने लगती है तो प्रकृति का खेल इस प्रकार से देखने मिलता है कि किसानों की रातों की नींद गायब होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में जहां चना, गेंहू, मसूर सहित अन्य प्रकार की फसले तैयार होते हुये दिखाई पड़ रही है तो अनेक जगहों पर किसानों ने अपने खेतों में राहर फसल लगाई गई थी वह कटने के लिये तैयार होकर खड़ी है। मगर दूसरी ओर जिन किसानों के खेतों में गन्ना फसल लगी हुई है उसकी पिराई का कार्य जोरो पर चल रहा है। मगर आसमान पर बादल छाने के कारण किसानों को चिंता में डाल दिया गया है। क्योंकि बादलों का डेरा रहने से जहां फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है तो दूसरी ओर ठंड में भी ब्रेक लगने से फसल तैयार होने की गति पर अंकुश लग रहा है। किसानों के खेतों में बोई गये चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों के कारण संपूर्ण प्रकृति हरियाली से सराबोर हो रही है उसे लूटने में देर नही लगेगी। इस तरह आसमान पर बदली छाने के कारण ठंड में रूकावट का महौल निर्मित हो रहा है उसके कारण किसानों के खेतों में लहलहाती की ओर अग्रसर हो रही फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लगते हुये देखे जा रहे है तथा अपनी फसलों की सुरक्षा को लेकर किसान अनेक प्रकार से कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करने के लिये अभी से मजबूर होने लगे है। इस स्थिति में किसानों को आर्थिक कठिनाईयाँ भी झेलना पड़ रही है। इस तरह प्रकृति की मार झेल रही किसान आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर सुखमन से रोटी तक नही खा पा रहा है। क्योंकि जनबरी फरवरी माह चना, मसूर सहित इस सीजन की फसलों के लिये प्रमुख माना जाता है और इन महिनों में पड़ने वाली ठंड के चलते ही फसलों की जिन्दगी निर्धारित होती है। मगर बै मौसम छाने वाले बादल जिस तरह ठंड में रूकावट पैदा कर रहे है वह निश्चित तौर से किसानों के लिये चिंता पैदा करते हुये दिखाई पड़ने लगे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय देखा जा रहा है कि जब किसानों द्वारा अपने खेतों में बोई गई चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों का हाल इस तरह से बना हुआ है कि मौसम के मिजाज के कारण जहां अनेक प्रकार की बीमारियों की चपेट में आ रहे है तो दूसरी ओर उन्हें जंगली जानवर द्वारा तो लगातार क्षति पहुंचाई ही जा रही है जिनकी सुरक्षा में किसान रात दिन अच्छी नींद लेकर सो तक नही पा रहे है तो दूसरी ओर प्रकृति द्वारा की जा रही खिलबाड़ किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीर निकाल रहा है। इस प्रकार से लगातार बन बिगड़ रहे मौसम से फिर क्षेत्र के किसानों को इस बात की चिंता सताने से नही चूक रही है कि कही ऐसा न हो कि उनके खेतों में हरियाली से लहलहाती हुई फसलों पर फिर प्रकृति की मार न पड़ जावे और क्षेत्र का किसान बर्बादी की कगार पर पहुंच जावे?

पलोहा थाना क्षेत्र का जुआं: पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर खड़े कर रहा सवाल, फड की फोटो संरक्षण की ओर दे रही संकेत..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

कहा जाता कि यदि कानून के रखबारे अपनी पर आ जाते है कि उनकी मर्जी के बगैर पत्ता तक नही हिल पाता है और यदि उनका संरक्षण या फिर उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली रहे तो अवैधानिक कृत्यों में इस तरह बढ़ोत्तरी होने लगती है कि दिन दुगना रात चौगना इजाफा होने से नही चूकता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ पलोहा थाना के ग्राम भटेरा के बाद अब चिर्रिया क्षेत्र में चल रहे जुंआ के अवैध कारोबार ने निश्चित तौर से जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र की थाना पुलिस की भूमिका को कटघरे में खड़ा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है..? क्योंकि इस समय सोशल मीड़िया पर पलोहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भटेरा के बाद चिर्रिया महगंवा गांव के खेतों तथा गाडरवारा क्षेत्र के ग्राम कामती पठहरा के पास संचालित होने वाला जुआ फंड क्षेत्र ही नही बल्कि संपूर्ण जिले में चर्चा का विषय बनाने के साथ साथ जिला स्तर के अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है..? जनचर्चाओं से मिल रही जानकारी के अनुसार पलोहा थाना क्षेत्र के ग्राम भटेरा में बीते हुये कुछ दिनों से बेगम गुलाम का अवैध कारोबार चल रहा है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा उजागर किये जाने के बाद जुंआरियों द्वारा अपने खेल में जगह का परिवर्तन करते हुये इसे अब चिर्रिया महगंवा क्षेत्र में सुरक्षित स्थल मानते हुये अपना कारोबार स्थापित करते हुये खुलेआम 52 पत्तों पर दांव लगाना शुरू कर दिया गया है..? हाल यह बना हुआ है कि इस तरह चल रहे बेगम गुलाम के खेल की सच्चाई व मौके की फोटो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल होते हुये दिखाई देने के बाद भी जिला स्तर के अधिकारियों की चुप्पी जहां चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर पुलिस के लिये खुलेआम चुनौती देते हुये चल रहे इस अवैध कारोबार को लेकर यह प्रतीत होने लगा है कि शायद बडे स्तर से संरक्षण प्रदान किया जा रहा है इसी का परिणाम है कि बेगम की बादशाही के चलते अब पेहरेदार भी गुलाम बन चुके है...?

सिहोरा में एक ही रात चोरों ने अलग अलग दुकानों को निशाना बनाते हुये तोड़े ताले, गुप्त केमरे में उजागर की सच्चाई

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी।

किसी शहर या फिर नगर में एक ही रात में अलग अलग स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की सच्चाई जब सामने आती है तो निश्चित तौर से वहां की सुरक्षा व्यवस्था कटघरे में आने से नही चूकती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुई रात गाडरवारा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले सिहोरा में देखने मिली है। बताया जाता है कि यहां पर बीते हुये सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात अज्ञात चोर द्वारा मुख्य बाजार की अलग अलग दुकानों को अपना निशाना बनाते हुये ताले तोडकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार राहुल ज्वेलर्स कल्याणपुर वालों की दुकान का शटर तोड़ते हुये चोर यहां से लगभग आधा किलो चांदी के जेबर पार करने में सफल हुआ है तो अन्य एक दूसरी जगह पर खड़ी हुई मोटर साईकिल को पार किया गया है। इस तरह अन्य दुकानों की शटर के ताले तोड़ने की खबर मिल रही है..? इस तरह एक ही रात में जिस तरह चोर द्वारा चोरी की घटनाओं को जिस तरह अंजाम दिया गया है उससे ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि मानों यहां की सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती दी जा रही हो..? इस तरह सिहोरा में घटित हुई चोरी की घटना के चलते सिहोरा सहित आसपास के क्षेत्रों में दहशत का महौल दिखाई देने से नही चूक रहा है..? वही बताया जाता है कि चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की सच्चाई यहां पर लगे हुये गुप्त केमरों में कैद होने के चलते पुलिस द्वारा आरोपी की खोजबीन करने में जुटी चुकी है।

एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर खड़ा होना पड़ रहा है लाईनों

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

भले ही सरकार द्वारा किसानों को सभी प्रकार की सुविधाए प्रदान करने की बात कहते हुये अपने आपको किसान हितैषी बताने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। यदि किसानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब किसानों को अपने खेतों में बोनी करने के लिये जिस सामग्री की जरूरत पड़ती है और वही समय पर तथा सही दामों पर न मिले तो फिर सरकार द्वारा अपने आपको किसान हितैषी कहने का क्या औचित्य...? क्योंकि इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार में बैठे हुये नेताओं से लेकर मंत्रीगण इस बात को न जानते हो कि किसानों को अपने खेतों में डालने के लिये किस समय कौन सी जरूरी सामग्री की आवश्यकता होती है तो फिर वही सामग्री समय पर उपलब्ध नही हो पाने के कारण जहां किसानों को परेशान तो होना ही पड़ता है साथ ही साथ आर्थिक बोझ झेलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के किसानों की देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय चल रहे बोनी के सीजन में क्षेत्र के किसानों के लिये डी ए पी हो या फर यूरिया खाद की सबसे अधिक जरूरत महसूस की जा रही है। मगर दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में खाद नही मिलने के कारण क्षेत्र के किसान डीएपी तथा यूरिया खाद को दुकानों पर खोजने के लिये दिन रात एक करने से नही चूक रहे है और जब किसानों को मालूम हो जाता है कि यूरिया खाद कल उस दुकान या फर वेयर हाऊस पर आने वाला है तो वह अपने घरों से बगैर कुछ खाय पिये ही सुबह आकर दुकानों के सामने लाईन लगाने से खड़े हो जाते है जब कही मुश्किल से उन्हें एक बोरी खाद मिल पाता है। इस प्रकार से भूखे प्यासे किसान दिन दिन भर लाईनों में खड़े हुये देखे जा रहे है तथा इस बात का फायदा दुकानदार उठाने से भी नही चूक रहे है। बताया जाता है कि अनेक दुकानदार किसानों को एक बोरी खाद देने के बदले दुकान की अन्य सामग्री खरीदने के लिये मजबूर करने से भी नही चूकते है, जिसके चलते जहां किसानों द्वारा यूरिया प्राप्त करने के लिये न चाहते हुये भी दूसरी सामग्री खरीदना पड़ रही है जिसके किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पढ़ने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर किसानों का समय भी बर्बाद होते हुये देखा जा रहा है।

इंद्रावार्ड की त्रिवेदी कॉलोनी निवासी खाली प्लांटों एकत्र हो रही गंदगी से परेशान, सांस लेना हो रहा दूभर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के अंदर धनपतियों द्वारा अपने पैसों की दम पर जहां तहां प्लांट तो खरीद लिये गये है। मगर इसके बाद उन पर किसी भी प्रकार को निर्माण नही होने के कारण अब वह खाली पड़े हुये प्लांट आमजन के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहे है? बताया जाता है कि इन प्लांटों की न तो किसी भी प्रकार से कोई सुरक्षा की जा रही है और नही उन का उपयोग होने की स्थिति में यह खाली पड़े हुये प्लांटों पर जिस तरह गंदा पानी व कचरा एकत्र हो रहा है उसके चलते कालोनी में निवास करने वाले लोगों का सांस लेना भी दूभर होते हुये दिखाई पड़ रहा है। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा समय समय पर उजागर किये जाने के बाद भी इस ओर न तो प्लांटों के मालिकों द्वारा किसी भी प्रकार का कोई ध्यान दिया गया है और न ही जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर में अनेक कालोनिया गंदगी से बज बजाते हुये देखी जा रही है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई शहर के इन्द्रावार्ड के अंतर्गत आने वाले त्रिवेदी कालोनी में देखने मिल रही है जहां पर खाली पड़ी हुई जगह पर लोगों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी भरा होने के कारण अनेक प्रकार के मच्छर सहित जहरीले जींव जन्तु जन्म ले रहे है। वही दूसरी ओर कचरा पड़ा होने से उससे निकलने वाली दुर्गन्ध से लोगों को सांस लेना भी मुश्किल हो गया है? कभी कभी स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिलती है कि खाली जगह पर अधिक पानी एकत्र हो जाने के कारण यह गंदा पानी लोगों के घरों में घुसने से भी नही बच पाता है। इस संबंध में वार्ड के संजीव भाई का कहना है कि इस परेशानी को लेकर हमारे द्वारा अनेकों बार नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है। मगर अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। कुछ इसी प्रकार से वार्ड के अन्य व्यक्ति का कहना है कि खाली जगहों पर एकत्र हो रहे गंदे पानी के कारण लोगों का अपने घरों से निकलने की बात तो दूर घर के अंदर भी सांस लेना दूभर हो चुका है। इस संबंध में अनेकों बार नगर पालिका सहित अन्य अधिकारियों को अवगत कराते हुये कार्यवाही की मांग किये जाने के बाद भी आज तक किसी के द्वारा कोई ध्यान नही दिया गया है इस स्थिति में त्रिवेदी कालोनी निवासी लोग नरक जैसी जिन्दगी जीने के लिये मजबूर हो चुके है। जबकि नियम के अनुसार यदि कोई व्यक्ति किसी जगह पर कोई जमीन व प्लांट खरीदता है तो उसके रख रखाब से लेकर सुरक्षा की जिम्मेदारी प्लांट मालिक की होती है कोई जगह शासकीय होती है तो उसकी जिम्मेदार संबंधित विभाग की होती है, मगर यहां पर खाली पड़ी हुई जगह जिस प्रकार से गंदगी से सराबोर हो रही उस ओर न तो उसके मालिकों द्वारा किसी तरह से ध्यान दिया जा रहा है और नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा जिसके चलते कालोनी के लोगों को परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।

बुनियादी सुविधाएं न मिलने से खिलाड़ी निराश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सर्दी का मौसम में क्रिकेट, बालीवाल हाकी तथा अन्य तरह के खेलों में रूचि रखने वाले युवाओं, किशोरों व बच्चों के लिए उपयुक्त रहता है, किन्तु इन दिनों जब सुबह ठंड पड़ने लगती है तब कही भी खेल प्रतिभाएं अपना प्रदर्शन करती नजर नही आ रही है, जिसका मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि खिलाड़ियों को जो जरूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए उनसे वह बंचित नजर आ रहे है। जानकार सूत्रों के अनुसार शहर की अधिकतर शालाओं में खेल संसाधनों की कमी तो है ही साथ ही साथ प्रशासन ने भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने कोई प्रयास नही किये है, जिसका नतीजा यह है कि जो युवा किशोर बेहतर ढंग से क्रिकेट खेल शहर का नाम प्रदेश ही नही बल्कि देश में रोशन कर सकते है वे निराश होते चले जा रहे है और शहर की खेल गतिविधियों पर विराम लगा हुआ है? गौरत तलब है कि क्रिकेट

मृदा परीक्षण प्रयोग शाला में लट रहा ताला, लाखों की लागत से बना हुआ भवन बना शोभा की सुपारी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस समय सांईखेड़ा क्षेत्र के किसानों जिस प्रकार से अनेक परेशानियों से जूझते हुये देखे जा रहे है उनकी समस्याओं के निदान को लेकर आज तक किसी भी नेता द्वारा ठोस प्रयास नही किये गये है, जिसके चलते आज स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही कि लगातार मांग किये जाने के बाद भी यहां पर कृषि उपज मंडी की शुरूआत नही हो पाई है, कहने के लिये तो मंडी का निर्माण हो चुका है। मगर वह मात्र शोभा की सुपारी बनकर रहे गये है, जिसके चलते लाखों की लगात से मंडी में किया गया निर्माण टूटते हुये दिखाई देने लगा है, वही दूसरी ओर मंडी की शासकीय भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से भी नही चूक पा रही है, इस प्रकार से क्षेत्र की किसानों की मंडी में खरीदी नही होने के कारण लगभग 25 किलों मीटर द्वारा गाडरवारा या फिर अन्य दूसरी जगह की मंडियों में अपना अनाज बेचने के लिये जाना पड़ रहा है, इस स्थिति में किसानों को अनाज से मिलने वाली आय का काफी भाग तो अनाज ले जाने के भांडे में ही चला जाता है। वही दूसरी ओर वर्ष 2017 में म.प्र. शासन द्वारा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से साईखेडा में मृदा परीक्षण प्रयोग शाला भवन का निर्माण कराते हुये लाखों की लागत से बने हुये इस भवन का 14 अक्टूबर 2017 को लोकापर्ण तो कर दिया गया है, मगर उस दिन के बाद आज तक न तो इस भवन का ताला खुल पाया है और न ही क्षेत्र के किसानों को इसका लाभ मिल पाया है, जिसके चलते जहां लाखों की लगात से बना हुआ यह भवन खंडहर की स्थिति में पहुंचने से भी नही चूक पा रहा है। यदि इस प्रयोग शाला का शुभारंभ हो जाता तो निश्चित ही क्षेत्र के किसान अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण कराकर मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी ले सकते और अपनी जमीन से फसल की उपज बढ़ाने में सफल हो जाते, मगर लाखों की लागत से बना हुआ यह भवन मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है, मगर इस भवन के लोकापर्ण के बाद आज तक इसमें किसी भी प्रकार के न तो उपकरण स्थापित किये गये है और न ही इसे चालू कराने की ओर ध्यान दिया गया है, जिसके चलते क्षेत्र के किसानों द्वारा इस प्रयोग शाला को शीघ्रता के साथ शुभारंभ करने की मांग उठाई जाने लगी है।

खबर संक्षेप

सरपंच–सचिव पर फर्जी भुगतान के आरोप, जांच की मांग

डिंडौरी। जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत धनुवासागर में वार्ड क्रमांक 15 के पंच अशोक कुमार धुर्वे ने कार्यवाहक सरपंच एवं प्रभारी सचिव पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पूज्य संत दादागुरु के नाम पर प्रशासनिक व्यय दिखाकर तथा बिना कार्य कराए लगभग 20 लाख रुपये से अधिक की राशि आहरित किए जाने की शिकायत की है। पंच का आरोप है कि सीसी रोड, स्टेशनरी एवं अन्य निर्माण कार्यों के नाम पर फर्जी बिल बनाकर भुगतान किया गया, जबकि कार्य धरातल पर नहीं हुए। साथ ही न्यायालयीन प्रक्रिया लंबित रहते हुए भी निर्माण कार्यों की राशि निकाल ली गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम डुण्डीसरई में आगामी 6 फरवरी से दो-दिवसीय सरपंच कप ब्हालीवाल प्रतियोगिता आयोजित

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम डुण्डीसरई में आगामी 6 फरवरी से 7 फरवरी तक दो दिवसीय सरपंच कप ब्हालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया हैं। आयोजित प्रतियोगिता के प्रथम विजेता टीम को 11101 रुपए नकद व ट्राफी, द्वितीय विजेता टीम को 5501 रूपए नगद व ट्राफी एवं तृतीय विजेता टीम को 2701 रूपए नगद व ट्राफी प्रदान किया जाएगा। आयोजित प्रतियोगिता में इच्छुक टीमें 101 रूपए इंट्री फीस जमा कर भाग ले सकते हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष कल्याण सिंह धुर्वे, उपाध्यक्ष सेमलाल मरावी, सचिव जीवन मरावी, उपसचिव फूंदीलाल नेताम, कोषाध्यक्ष सागर मरावी व देवेंद्र कुमार धुर्वे द्वारा बताया गया कि सभी खिलाड़ी समय का विशेष ध्यान रखें। खेल खेलते समय विवाद होने पर दोनों टीमों को निरस्त कर दिया जाएगा। खेल खेलते समय चोट लगने पर खिलाड़ी स्वयं जिम्मेदार होंगे। एंपायर का निर्णय सर्वमान्य होगा, और अंतिम निर्णय समिति के पास होगा। 20 किलोमीटर से अधिक दूरी से आने वाले टीमों की भोजन एवं आवास व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा किया जाएगा। आयोजित ब्हालीवाल प्रतियोगिता में उद्घोषक की भूमिका में चैन सिंह मरावी एवं सागर मरावी रहेंगे।

जिला प्रशासन की लापरवाही से सर फॉर्म को लेकर छात्र और अभिभावक हो रहे हैं परेशान

हरिभूमि न्यूज अमलाई। एक प्रेस नोट के माध्यम से भाजपा के वरिष्ठ नेता और सीनियर एडवोकेट अरविंद साहनी ने बताया कि सर फॉर्म को लेकर अनूपपुर जिला प्रशासन के सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी अनूपपुर एवं स्थानीय बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा तमाम बरगवां नगर परिषद क्षेत्र में विशेष कर छात्रों को कल शाम को नोटिस दी गई है और इस नोटिस में मात्र 12 घंटे का समय दिया गया है कि आपके मतदाता सूची में कुछ कमियां है जिसे स्पष्ट नहीं बताया गया है और आपको उपस्थित होकर दस्तावेज प्रस्तुत करें। अधिवक्ता साहनी ने कहा कि इस नोटिस को लेकर आम जनता में तमाम भ्रम पैदा हुई है और अभिभावक के साथ तमाम छात्र परेशान हो रहे हैं उन्होंने कहा कि सर फॉर्म भरने करने के समय तमाम दस्तावेज आधार कार्ड मोबाइल नंबर सब दिए गए हैं तो फिर क्यू जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और इनको कानून की जानकारी नहीं थी और ना ही उनका ढंग से ट्रेनिंग दी गई थी। क्योंकि सर फॉर्म को लेकर भारत सरकार की गाइडलाइन बिल्कुल स्पष्ट है तो उसका परिपालन उस समय क्यों नहीं किया गया था। इसके अलावा साहनी ने कहा कि प्रदेश के गरीब परिवार के बच्चे तमाम लोग बाहर अध्ययन करते हैं।

कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के निर्देश

साप्ताहिक जनसुनवाई में 90 आवेदनों पर हुई सुनवाई

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर ने जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

डिंडौरी।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आवेदक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न विकासखंडों से कुल 90 आवेदन प्राप्त हुए। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों में समय-सीमा तय कर आवेदकों को आवश्यक आश्वासन दिया गया।जनसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत पोंड़ी माल, विकासखंड डिंडौरी की अंधियारो बाई धुर्वे (70 वर्ष) एवं गनपत सिंह (75 वर्ष) ने विगत 10 माह से पेंशन राशि नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर कलेक्टर के निर्देश पर सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दोनों हितग्राहियों की ई-केवायसी कराई गई, जिससे आगामी माह से पेंशन भुगतान सुनिश्चित हो सकेगा।इसी तरह ग्राम बहेरा टोला, ग्राम पंचायत माधोपुर निवासी इन्द्रपाल सिंह (82 वर्ष) एवं उर्मिला बाई (78 वर्ष) ने वृद्धावस्था पेंशन बंद होने की शिकायत की। जांच में ई-केवायसी अपूर्ण पाए जाने पर पुनः प्रक्रिया पूर्ण कराई गई, जिससे अगले माह से पेंशन पुनः प्रारंभ होगी।ग्राम ईश्वरपुर बंगवार, ग्राम पंचायत दामी तितराही, जनपद पंचायत समनापुर निवासी प्रेमलाल झिगराम ने पुत्र पवन कुमार झिगराम की मृत्यु के बावजूद मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं होने की शिकायत की। अपर कलेक्टर के निर्देश पर योजना एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा एक घंटे के भीतर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर हितग्राही को सौंपा गया।अपर कलेक्टर ने आम नागरिकों से अपील की कि पेंशन या अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं के लिए ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, मोबिलाइज़र या संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय से संपर्क करें, जिससे जिला मुख्यालय आने की आवश्यकता न पड़े।

जनसुनवाई में 'ओम पारस मैनपावर सर्विस लिमिटेड, भोपाल' के माध्यम से जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने नवंबर, दिसंबर एवं जनवरी माह का मानदेय न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। डाटा एंट्री ऑपरेटर, वार्ड बॉय एवं सुरक्षा गार्ड सहित कर्मचारियों ने भुगतान की समय-सीमा निर्धारित करने की मांग की। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश देते हुए कंपनी को भुगतान हेतु लिखित पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।विकासखंड समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बंजरा के सरपंच एवं ग्रामीणों ने प्राथमिक शाला के जर्जर भवन की शिकायत करते हुए नए भवन निर्माण की मांग रखी। अपर कलेक्टर ने डीपीसी, सर्व शिक्षा अभियान को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।ग्राम मोहगांव माल निवासी आवेदक ने पिता की मृत्यु के उपरांत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत लंबित क्लेम भुगतान हेतु आवेदन दिया, जिस पर संबंधित अधिकारी को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।जनसुनवाई के अंत में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त आवेदनों की गंभीरता से जांच कर समय-सीमा के भीतर हितग्राहियों को लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।जनसुनवाई में अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत पंकज जैन, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग राजेन्द्र जाटव, एलडीएम रविशंकर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

"हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं" के निर्देशों के पालन हेतु पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक

डिंडौरी।

जिले में दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट पहनना अनिवार्य किए जाने के उद्देश्य से दिनांक 03 फरवरी 2026 को थाना यातायात डिंडौरी में जिले के समस्त पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी डिंडौरी की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में थाना प्रभारी यातायात सुभाष उईके सहित जिले के 16 पेट्रोल पंपों के मालिक एवं संचालक उपस्थित रहे। जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी ने पंप संचालकों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन द्वारा "हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं" के निर्देश हाल ही में जारी किए गए हैं, जिनका कड़ाई से पालन किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल देने पर संबंधित पेट्रोल पंप के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सभी पेट्रोल पंप संचालकों ने निर्देशों का पूर्ण पालन किए जाने का आश्वासन दिया। प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपनी एवं परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करें।

जर्जर पंचायत भवन में जान जोखिम में डालकर हो रहा संचालन

अमरपुर।

जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खुड़िया रैयत का पंचायत कार्यालय भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में है। भवन की छत व सीलिंग से प्लास्टर गिरने का खतरा बना रहता है, जिससे कार्यालय में बैठकर कार्य करना जोखिम भरा हो गया है। स्थिति यह है कि सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक अक्सर बाहर बैठकर ही शासकीय कार्यों का संचालन करते नजर आते हैं।सरपंच के अनुसार भवन की छत इतनी कमजोर हो चुकी है कि बारिश के दौरान पानी कार्यालय के भीतर भर जाता है और बरसात रुकने के बाद भी कक्षों में लगातार पानी टपकता रहता है। वहीं कार्यालय परिसर के आसपास गंदगी फैली हुई है, जिससे वहां बैठना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों द्वारा खुले में शौच किए जाने से दुर्गंध बनी रहती है, जिससे स्वच्छता मिशन की स्थिति भी असफल नजर आ रही है।गंदगी के कारण संक्रामक रोग फैलने की आशंका बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों में चिंता का माहौल है।

इनका कहना है—

मजबूरी में पंचायत का संचालन कर रहे हैं, भवन की स्थिति बेहद खराब है।

ज्ञानी सिंह परतेती
(सरपंच, ग्राम पंचायत

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत 100 दिवसीय 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत

डिंडौरी।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले में संचालित 100 दिवसीय "बाल विवाह मुक्त भारत अभियान" के तहत मंगलवार को बाल विवाह मुक्त रथ का शुभारंभ किया गया। यह जागरूकता रथ 03 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक जिले की समस्त परियोजनाओं में भ्रमण कर बाल विवाह रोकने हेतु जनजागरूकता फैलाएगा।बाल विवाह मुक्त रथ को अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम भारती मरावी, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।अधिकारियों ने बताया कि अभियान अवधि के दौरान यह रथ प्रतिदिन न्यूनतम तीन परियोजनाओं में भ्रमण करेगा। साथ ही बाल विवाह से जुड़े चिन्हित हॉटस्पॉट एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रूप से अधिक भ्रमण सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि प्रभावी जनजागरूकता स्थापित की जा सके।रथ के माध्यम से गांव-गांव जाकर बाल विवाह की कुप्रथा के दुष्परिणामों, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बच्चों एवं किशोर-किशोरियों के अधिकारों तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन को दी जाएगी। अभियान के अंतर्गत प्रचार-प्रसार गतिविधियाँ प्रदीपन संस्था के सहयोग से संचालित की जा रही हैं।महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बाल विवाह से होने वाले स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक एवं कानूनी नुकसान की जानकारी मिल सके तथा इस सामाजिक कुप्रथा का पूर्ण उन्मूलन किया जा सके।रथ के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी, बाल विवाह के दुष्परिणामों पर जनजागरूकता, किशोर-किशोरियों के अधिकारों का प्रचार, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का प्रसार तथा आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, ग्राम सभाओं एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अधिकारियों ने जिले वासियों से अपील की है कि वे बाल विवाह रोकने में प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित विभाग या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें।

जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र में विकास कार्यों की सौगात सीसी रोड निर्माण एवं हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का लोकार्पण

डिंडौरी।

जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र में विकास कार्यों की श्रृंखला के अंतर्गत सीसी रोड निर्माण एवं हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का भूमि पूजन व लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन एवं मां सरस्वती के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए।जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के तहत भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुए। ग्राम पंचायत भानपुर में मस्जिद से बघेल के घर तक 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। वहीं ग्राम पंचायत कामकोमोहनीया में 3 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से निर्मित हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं किसी भी क्षेत्र के विकास की मजबूत नींव होती हैं। सीसी रोड निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बरसात के मौसम में होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी। वहीं हायर सेकेंडरी स्कूल के शुभारंभ से क्षेत्र के विद्यार्थियों को अपने गांव में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका भविष्य सुदृढ़ होगा।इसी क्रम में ग्राम पंचायत निघोरी, ग्राम पंचायत बोधघुण्डी एवं सेमर टोला में भी 10-10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया।इस अवसर पर बद्री प्रसाद साहू, मालती तिवारी, आकाश नामदेव, हारून खान, जलेगांव सरपंच राय सिंह तेकाम, निघोरी सरपंच शोभा राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पसान नगर विकास को नई गति, 9.30 करोड़ के निर्माण कार्यों का भव्य लोकार्पण

हजारों की मौजूदगी में बदला विकास का परिदृश्य

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

नगर पालिका परिषद पसान के वार्ड क्रमांक 7, जमुना कॉलोनी में मंगल भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का भव्य लोकार्पण समारोह 3 फरवरी को दोपहर लगभग 2 बजे संपन्न हुआ। यह आयोजन भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति को समर्पित रहा समारोह में हजारों की संख्या में महिला/पुरुषों की उपस्थिति ने नगर के विकास के प्रति जनसमर्थन को स्पष्ट रूप से दर्शाया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री, मध्यप्रदेश शासन एवं अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बिसाहूलाल सिंह रहे। उनके आगमन पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राम अवध सिंह सहित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और आतिशबाजी से भव्य स्वागत किया। इसके पश्चात 9.30 करोड़ की लागत से निर्मित कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि ने मंगल भवन का भ्रमण कर निर्माण गुणवत्ता का निरीक्षण किया और इसे "श्रेष्ठ एवं टिकाऊ निर्माण" बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने की विशिष्ट अतिथियों में जिला अध्यक्ष भाजपा अनूपपुर हीरा सिंह श्याम, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे मंच पर डॉ. सुनील चौरसिया, अनिल गुप्ता, राकेश गुप्ता, उदय राज सिंह मामा, रामदास पुरी, लवकुश शुक्ला, अजय ताराचंद यादव, नरेश चंद शर्मा, लाल बहादुर जायसवाल, राजेश सिंह, अशोक लाल, राजू जायसवाल, रवि राठौर, जितेंद्र भट्ट, सिद्धार्थ सिंह, मीना तंवर, जितेंद्र सोनी, कैलाश सिंह मरावी, दुर्गा पटेल, सुनील सिंह, फैज मोहम्मद, शिवभान सिंह, शशांक आरमो सीएमओ पसान, उमेश त्रिपाठी, पूजा सिंह, सरोज सूर्या लोधी, रश्मि खरे, शिवरतन वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अध्यक्ष राम अवध सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि नगर पालिका पसान में सौंदर्यीकरण, मॉडल रोड, छठ तालाब घाट, मुक्तिधाम सहित अनेक बड़े विकास कार्य पूर्ण किए गए हैं

कोसमडीह में स्वास्थ्य शिविर आयोजित एक्स-रे, एनसीडी व टीबी जांच कराई गई

डिंडौरी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मंगलवार को विकासखंड बजाग अंतर्गत ग्राम कोसमडीह में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को समय पर, सुलभ एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा।शिविर के दौरान ग्रामीणों की एक्स-रे जांच की गई। साथ ही असंचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम के अंतर्गत 139 लोगों की बीपी एवं शुगर जांच की गई। इसके अतिरिक्त टीबी रोग की जांच हेतु 18 खखार (स्पुटम) सैंपल एकत्रित किए गए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर स्वास्थ्य परीक्षण कराया।स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल सके। शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह धुर्वे, बीपीएम लल्ला यादव, रेडियोग्राफर लोकेश भनोट, एसटीएस चंद्र विजय कुशराम, सेक्टर सुपरवाइजर एन.एस. उईके, सीएचओ शांति मरावी, एएनएम संगीता उईके सहित पैरामेडिकल स्टाफ एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा समन्वय के साथ सेवाएं प्रदान की गईं।स्वास्थ्य विभाग ने भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की जानकारी दी है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

10

जबलपुर, बुधवार 4 फरवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शासकीय महाविद्यालय में विश्व वेटलैंड दिवस मनाया

तेंदूखेड़ा। विश्व वेटलैंड दिवस पर शासकीय महाविद्यालय में भूगोल विभाग के डॉ. प्रशांत कुमार ने विद्यार्थियों को आर्द्रभूमि के बारे में जानकारी देते हुए पर्यावरण में जैव विविधता के लिए आर्द्रभूमि के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि नगरीकरण औद्योगीकरण के बढ़ने से आर्द्रभूमि समाप्त हो रही है। लगभग विश्व की 90 प्रतिशत आर्द्रभूमि विकास के कारण खत्म हो चुकी हैं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आर्द्रभूमि का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर के झा ने भी जल संरक्षण पर जोर दिया। और जल है तो कल है तथा जल ही जीवन है की अवधारणा को समझाया। इस मौके पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. बी.डी. विश्वकर्मा डॉ. प्रशांत कुमार डॉ. दिपेश ठाकुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनीषा वर्मा ने किया तथा आभार कार्यक्रम प्रभारी सुश्री राधाबाई गौड़ के द्वारा किया गया।

दिगंबर जैन समाज के चुनाव सम्पन

तेंदूखेड़ा। दिगम्बर जैन समाज तेंदूखेड़ा की परिषद का गठन किया गया। चुनाव अधिकारी पं कमल कुमार शास्त्री द्वारा मतदान प्रक्रिया के साथ 24 प्रतिनिधि सदस्यों का निर्वाचन भी संपन्न हुआ जिसमें सभी सदस्यों द्वारा नई कार्यकारिणी का गठन भी चुनाव अधिकारी और संरक्षक मंडल की उपस्थिति में हुआ। जिसमें अध्यक्ष अजय जैन एवं पंकज स्वदेशी तथा महीष मोदी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। उपाध्यक्ष ज्ञान चंद्र जैन मयंक राजेश सेठ बरिया बाले कोषाध्यक्ष दीपक सिंघई महामंत्री संजय स्वदेशी मंत्री श्रीकांत मोदी को नियुक्त किया गया ।

चंद घंटो में पुलिस ने किया खुलासा

लूट के 66 लाख बरामद

4 आरोपी गिरफ्तार

आयकर विभाग से कराई जाए जांच

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना कोतवाली पुलिस द्वारा एक करोड़ रूपए की लूट के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को चंद घंटो मे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की लोगों द्वारा प्रशंसा की जा रही है। उक्त कार्रवाई के संबंध मे पुलिस अधीक्षक द्वारा पत्रकारवार्ता कर लूट के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नगर के होटल कुसुमवैली के कर्मचारियों द्वारा 3 फरवरी की सुबह 3-4 बजे रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि कुछ नकाबपोश लोगों द्वारा नकदी लूट ली गई। उक्त घटना मे होटल का मैनेजर सहित अन्य कर्मचारी शामिल है। लूट की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियो को गिरफ्तार किया गया वही कुछ आरोपी फरार है। पकड़े गए आरोपियों से 66 लाख रूपए की नगदी बरामद की गई।

थाना क्षेत्र कोतवाली स्थिति होटल कुसुमवैली के कर्मचारियों द्वारा 3 फरवरी की सुबह 3-4 बजे थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि कुछ नकाबपोश लोगों द्वारा होटल मे जबरदस्ती घुसकर होटल मे रखी एक करोड़ रूपए की नगदी लूट ली

गई। कर्मचारियों की रिपोर्ट पर पुलिस सख्त हुआ और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दी गई। पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों की पहचान, पतासाजी एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन विशेष टीमें गठित कर आरोपियो की शीघ्र गिरफ्तारी की निर्देश दिए गए। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर मौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य संकलित किए गए तथा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान होटल के रात्रिकालीन मैनेजर चंद्रेश रजक की गतिविधियाँ संदिग्ध पाई गईं। गहन पूछताछ में उसने लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

मास्टरमाइंड निकले होटल के कर्मचारी

पत्रकारों को संबोधित करते पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि विवेचना के दौरान होटल के रात्रिकालीन मैनेजर की गतिविधियों पर संदेह उत्पन्न हुआ और सख्ती से पूछताछ की गई। जिसमें आरोपी होटल मैनेजर चंद्रेश रजक द्वारा बताया गया कि होटल में रखी राशि को देखकर लालच में आकर लूट की साजिश रची गई। जांच में सामने आया कि चंद्रेश रजक को होटल में रखी नकदी की पूर्व जानकारी थी। लालच में उसने यह जानकारी अनुज व राकेश शुक्ला को दी, जिन्होंने मोनू उर्फ टुईया बंशकार एवं अन्य साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाकर घटना को अंजाम दिया। उक्त मामले को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी गौरव चाटे द्वारा बताया गया कि मामले की कार्रवाई गई है आयकर विभाग को अभी सूचना नहीं दी गई है।पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी होटल मैनेजर चंद्रेश रजक निवासी यादव कॉलोनी नरसिंहपुर, राकेश कुमार शुक्ला निवासी लखीमपुर खीरी उ. प्र. हाल निवासी नरसिंहपुर, अनुज कुमार वाल्मीकि निवासी लखीमपुर खीरी उ. प्र. हाल निवासी नरसिंहपुर, मोनू उर्फ टूईया वंशकार निवासी रिपटा पार नरसिंहपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी चंद्रेश रजक से 2.5 लाख, राकेश शुक्ला से 2.5 लाख, अनुज वाल्मीकि से 10 लाख, मोनू बंशकार से 45 लाख रुपए इस प्रकार चारों आरोपियों से लूट की गई राशि में से कुल 60 लाख रुपए बरामद किए गए है। चारों आरोपियों के विरुद्ध धारा 309 (6), 3 (5) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। हालांकि उक्त मामले मे पुलिस द्वारा आयकर विभाग को सूचना ना देना कई सवालों को जन्म दे रहा है।

आयकर विभाग से कराई जाए जांच

होटल कुसुमवैली से लूटी गई एक करोड़ की राशि मे से पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए 60 लाख रूपए की राशि चार आरोपियों से बरामद कर ली है शेष राशि की बरामदगी होना बांकी है। पुलिस द्वारा उक्त दिशा मे कार्रवई की जा रही है लेकिन पुलिस को चाहिए की उक्त एक करोड़ की राशि के संबंध मे आयकर विभाग के साथ सूक्ष्मता से जांच की जाए कि इस राशि के आय के स्त्रोत कौन से है क्योकि लंबे समय से राशि का स्टॉक किया गया होगा जिससे कर्मचारियों को पूरी जानकारी लग गई होगी। विचारणीय यह है कि घटना सोमवार की रात्रि को हुई यदि व्यापारिक धन था तो उसे कार्यालयीन समय पर बैंक मे जमा क्यों नहीं कराया गया। हालांकि पुलिस ने राशि के आय के संबंध मे कोई जानकारी नहीं दी है लेकिन पुलिस को चाहिए की आयकर विभाग के साथ मिलकर सूक्ष्मता से जांच कराई जाए जिससे पर्दे के पीछे का सच भी सामने आ सके। उक्त संबंध अधिवक्ता अभिषेक शर्मा द्वारा बताया कि नियमानुसार राशि जब्त होने के बाद आयकर विभाग को सूचना दी चाहिए थी जो कि पुलिस द्वारा नहीं दी गई। जिससे कई प्रकार संदेह उत्पन्न हो रहा है।

सात दिवसीय रासेयो शिविर सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम खापा में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न हुआ। उक्त शिविर कार्यक्रम अधिकारी एस. के. बक्शी के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। समापन समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं प्रेरणा पुंज स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर पूजन-अर्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक नीतेश ठाकुर एवं रंजीत ठाकुर द्वारा लक्ष्य गीत के सुमधुर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम अधिकारी एस.के. बक्शी ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सात दिनों में संपन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपसरपंच पंचम यादव द्वारा स्वयंसेवकों को प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक ओंकार गोस्वामी द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने स्वयंसेवकों की दिनचर्या एवं शिविर के दौरान किए गए कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम में स्वच्छता अभियान, नारे लेखन, जागरूकता रैली, नशा मुक्ति अभियान सहित अनेक सामाजिक गतिविधियां संपन्न की गईं। समापन समारोह में शिक्षक कुबेर सिंह पटेल, डी. पी. ठाकुर, भूपेंद्र पटेल, अनुपमा सराठे, कृपाराम ठाकुर, गेंदालाल काछी, नजीर खान सहित अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति रही। इस शिविर को सफल बनाने में शशांक सराठे, विजय पटेल, किशन ठाकुर एवं महेश कहार का विशेष सहयोग रहा। समापन अवसर पर पूर्व स्वयंसेवक कृष्ण कुमार राजपूत, रामेश्वर यादव, शिवम सराठे, दिलीप ठाकुर, दिनेश ठाकुर सहित वर्तमान स्वयंसेवक राजा ठाकुर, दीवानचंद, हरिशंकर, संजय, मनीष, सूरज, नीरज, समीर, आकाश आदि द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अंत में शिक्षक गेंदालाल काछी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया और शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

स्वदेशी को अपनाना हम सबकी जिम्मेदारीः चंदेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्वदेशी को अपनाना हम सबकी जिम्मेदारी है हम सबको स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहित देना चाहिए। इस दिशा में स्वदेशी जागरण मंच लगातार प्रयास कर रहा है। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्टेडियम ग्राउंड में 5 फरवरी से 15 फरवरी तक आयोजित स्वदेशी मेला की तैयारियों और इसके उद्देश्य को होटल कुसुमवैली में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताते हुए मंच के पदाधिकारी राघवेन्द्र चंदेल ने उक्त बात कही। श्री चंदेल ने बताया कि स्वदेशी मेले ने अपनी पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई है मेले में राज्य की संस्कृति, कला, हस्तशिल्प की झलक देखने को मिलेगी। प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित मेले में स्वदेशी वस्तुओं से संबंधित अनेक स्टाल लगेंगे। साथ ही रंगारंग कार्यक्रम होंगे। अनेक प्रतियोगिता भी इस दौरान आयोजित होंगी। मेला संयोजक उदय सिंह ठाकुर ने बताया कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर हम देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ स्वावलंबी बना सकते हैं। ऐसी वस्तुएं जो हमारे देश में ही निर्मित होती हैं उन्हें हम प्रोत्साहित करें और मेले में यह सब उपलब्ध होगा। साथ ही श्री ठाकुर ने मेले के उद्देश्य को बताया। पत्रकारवार्ता में मौजूद जिला संयोजक डॉ. सतीश दुबे, जिला संपर्क प्रमुख उपेन्द्र काले एवं जबलपुर छिंदवाड़ा संगठन मंत्री आशीष कुमार ने कहा कि निश्चित तौर पर स्वदेशी मेलों से जनचेतना बढ़ रही है सभी से मेले में आने का अनुरोध किया गया है। पत्रकारवार्ता में पत्रकारों ने स्टेडियम ग्राउंड पर आयोजित स्वदेशी मेले के स्थल चयन पर जब तीखे सवाल किए तो स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी पहले गोलमोल जवाब देने लगे किन्तु जब पत्रकारों ने स्टेडियम ग्राउंड की उपयोगिता बताई तो मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि निश्चित तौर पर मेले के स्थल चयन को लेकर हमसे गलती हुई है भविष्य में स्थल चयन पर विशेष ध्यान रखा जायेगा। साथ ही विश्वास दिलाया कि मेले के बाद ग्राउंड को व्यवस्थित किया जायेगा।

प्रारंभिक शिक्षा क्षेत्र संयोजक का हुआ आगमन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा क्षेत्र संयोजक तथा प्रांत अंकेक्षण प्रमुख रामबहोरी पटेल का आगमन हुआ। प्रार्थना सभा में विद्या भारती लक्ष्य की व्याख्या करते हुये मैया बहनों को वार्षिक परीक्षा की तैयारी के लिये पर्याप्त समय निश्चित करते हुए अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिये आग्रह किया। आचार्य परिवार की बैठक के माध्यम से आपने योजनागत विषयों पर मार्गदर्शन देते हुये कहा कि विद्यार्थियों के बीच क्रिया आधारित गतिविधियां कराई जाये। संस्था प्राचार्य श्री कुर्मी ने अपनी पाठ्यचर्या में मार्गदर्शित निर्धारित बिंदुओं को शामिल करने के लिए आचार्य परिवार को निर्देशित किया।

खस्ताहाल सड़कों से नागरिक बेहाल, मस्जिद से दानगंज तक वेंटिलेटर पर पहुंची सड़कें

गोटेगांव। नगर के अंदरूनी सड़क मार्गों की स्थिति इन दिनों बदहाली के आंसू रो रही है। विशेष रूप से जामा मस्जिद से लेकर पुलिस लाइन, सीएम राइज विद्यालय, इंदिरा स्कूल और दानगंज मंडी से बेलहाई रोड तक का मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। भारी वाहनों के निरंतर आवागमन से यह व्यस्ततम सड़क अब वेंटिलेटर पर पहुंच गई है। सड़क के बीचों-बीच से निकले लोहे के सरिए राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा खतरा बने हुए हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। रिपटा परिसर से फुहारा चौक तक बनी डामर सड़क के भी हालात कुछ अलग नहीं हैं, यहाँ भी जगह-जगह हुए गड्ढों के कारण यातायात बाधित हो रहा है। यह हिस्सा नगर के व्यावसायिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली बच्चे, व्यापारी और आम नागरिक गुजरते हैं। पुलिस लाइन और सीएम राइज स्कूल के सामने की चिंताजनक स्थिति ने अभिभावकों के मन में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भय पैदा कर दिया है। स्थानीय नागरिक कादर खान, अमित पटवा, ननन चौरसिया, शिव पटेल और राजकुमार सेन सहित अनेक जागरूक जनों ने प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि बार-बार की शिकायतों के बावजूद अब तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अब देखना यह होगा कि स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाते हैं या किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार करते हैं।

मां कर्मा देवी जयंती महोत्सव की तैयारियों हेतु प्रखर गार्डन में साहू समाज की महत्वपूर्ण बैठक

गोटेगांव। तहसील के समस्त साहू स्वजातीय बंधुओं के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। साहू समाज की आराध्य देवी मां कर्मा देवी की आगामी जयंती महोत्सव को भव्यता के साथ मनाने हेतु तैयारियों पर चर्चा के लिए एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक आगामी बुधवार, 4 फरवरी 2026 को दोपहर 1:00 बजे से प्रखर गार्डन फेस 2 में आयोजित होगी।

साहू समाज उत्थान मंडल गोटेगांव ने अपील की है कि इस बैठक में समाज के सभी बंधु उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य सुझाव दें ताकि जयंती कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त जोन पदाधिकारियों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान महोत्सव की रूपरेखा तैयार की जाएगी और विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

विद्यार्थियों को सिखाए पर्यावरण संरक्षण और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के गुण

अतिथियों ने अनुशासित वातावरण और प्राचार्य राहुल रंजन जैन के नेतृत्व में हो रहे शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यों की जमकर की प्रशंसा

गोटेगांव। विगतदिवस समीपवर्ती शासकीय माध्यमिक शाला लाठगांव में पर्यावरण संरक्षण और सोशल मीडिया जागरूकता को लेकर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रारंभ मां सरस्वती मैयाजी के तेल चित्र पर मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर पूजन आरती बंधन माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई और सर्वप्रथम नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा तैयार की गई सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं से कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया इसके पश्चात उपस्थित मुख्य अतिथियों द्वारा आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को प्रकृति के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार ने 20 पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेते हुए बच्चों को अपने जन्मदिन पर कम से कम एक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित जनों से पॉलीथिन का त्याग कर कपड़े के थैले का उपयोग करने की अपील की गई। जागरूकता अभियान के तहत बच्चों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सीमित व सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी गई। उन्हें सिखाया गया कि मोबाइल को साधन की तरह उपयोग करें, उसे स्वयं पर हावी न होने दें। अनावश्यक कंटेंट से बचने के लिए नॉट इंटरेस्टेड और स्किप जैसे विकल्पों के महत्व को समझाया गया ताकि विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षित रहे। सेवा भाव का परिचय देते हुए साहू समाज की ओर से कक्षा दूसरी की दिव्यांग छात्रा आरुषि साहू को उनकी आवश्यकतानुसार डायपर भेंट किए गए। अतिथियों ने विद्यालय के अनुशासित वातावरण और प्राचार्य राहुल रंजन जैन के नेतृत्व में हो रहे शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यों की जमकर प्रशंसा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से साहू समाज के जिला अध्यक्ष भगवानदास बीड़ी साहू, ग्रामीण अध्यक्ष त्रिभुवन साहू, शिक्षक गुलाब साहू, पत्रकार आशीष साहू, श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव, श्रीमती प्रभा विश्वकर्मा सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं विद्यालय परिवार नन्हे मुन्ने बच्चे उपस्थित थे।

समस्याओं के साथ अपराधों पर अंकुश की दिशा में कारगर साबित हो रहा जनसंवाद कार्यक्रम

तेंदूखेड़ा। अपराधों पर लगाम लगाने के साथ साथ घटनाओं दुर्घटनाओं पर विराम लगाने ग्रामीणों से रूबरू होकर समस्याओं के निराकरण की दिशा में जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा द्वारा जिले भर में चलाया जा रहा जनसंवाद कार्यक्रम कारगार साबित हो रहा है। इसी सिलसिले में विगत दिनों समीपी ग्राम डोभी में एस डी ओ पी अभिनव मिश्रा के द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों से रूबरू होते हुए विभिन्न विंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा अवैधानिक गतिविधियों नशा प्रवृत्ति पर पूर्णतः अंकुश लगाने की दिशा में सहयोग से काम करने की बात कही।

तीसरी आंख पर जोर

अनुविभागीय अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि अपरिचित अपराधी किस्म के लोगों पर पुलिस द्वारा सतत निगरानी तो रखी जा रही है वहीं नगरीय और कस्बाई क्षेत्रों में अब ग्राम पंचायतों के सहयोग से सी सी टी कैमरे लगाए जा रहे हैं। विगत दिनों ग्राम डोभी में ग्राम पंचायत के सहयोग 17 सी सी टी कैमरे प्रमुख स्थलों पर लगाये गये हैं। यहां 40 कैमरे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।इसी तरह नगरीय क्षेत्र तेंदूखेड़ा में भी नगर परिषद के सहयोग से सी सी टी वी कैमरे लगाए जा रहे हैं।

विधायक की पहल पर 14 वें दिन किसानों का धरना प्रदर्शन समाप्त

तेंदूखेड़ा। राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ का अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विगत 21 जनवरी से 03 फरवरी तक धरना प्रदर्शन जारी रहा। 30 जनवरी को किसान अधिकारियों के उपेक्षित नजरिए के कारण उग्र हो गए थे। विगत शनिवार को परियोजना से जुड़े एस डी ओ और राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे थे लेकिन उनके पास कोई उचित जानकारी ना होने के कारण किसान संघ के सदस्यों ने उन्हें बैरंग वापस लौटा दिया था। चूंकि इस विषय को लेकर क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने भी अपने भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री से चर्चा की है जिसकी एक प्रतिलिपि धरना दे रहे किसानों के पास भेजी गई थी। मंगलवार को अधिकारियों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे विधायक ने स्पष्ट कहा कि किसानों की समस्यायों को समय सीमा में निराकृत करें और किसानों को भी आश्वस्त करें।15 दिवस में अधिकांश समस्याओं का तो निराकरण कर दिया जायेगा लेकिन कुछ समस्याओं को लेकर परियोजना से अधिकारियों ने बताया कि इसमें कुछ योजनाओं में नये तरीके से डी पी आर बनाई जायेगी और भी योजनाओं पर काम चल रहा है जैसी चर्चाओं के उपरांत किसानों द्वारा अपना धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया है।

तेंदूखेड़ा अनुभाग के तहत पुलिस ने 37 प्रकरणों में 145 लीटर शराब जब्त की

तेंदूखेड़ा। जिले में अवैध गतिविधियों एवं महिला संबंधी अपराधों में पूर्णतः प्रतिबंध लगाने अवैध कारोबार करने वाले गुण्डा बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने जिला पुलिस अधीक्षक डॉ ऋषिकेश मीणा द्वारा विशेष कार्य योजना तैयार की गई है जिसके तहत जिले भर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इस कार्यवाही के चलते तेंदूखेड़ा अनुभाग के तहत एस डी ओ पी अभिनव मिश्रा के निर्देशन में तेंदूखेड़ा सुआतला पलोहा और बरमान चौकी में अलग-अलग कार्यवाही की गई जिसमें थाना तेंदूखेड़ा अंतर्गत 9 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये जिनमें 8 प्रकरणों में 124 पाव देशी शराब लगभग 12400 रुपये तथा 01 प्रकरण में 5 लीटर कच्ची महुआ शराब लगभग 500 रुपए।इसी तरह थाना सुआतला के अंतर्गत 19 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये है जिनमें 14 प्रकरणों में 68.22 लीटर देशी शराब कीमती करीबन 38360 रूपये एवं 03 प्रकरण 15 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती करीबन 1750 रूपये एवं 02 प्रकरण में 6.3 लीटर देशी एवं अंग्रजी शराब कीमती करीबन 5250 रूपये अनुभाग के थाना पलोहा अंतर्गत आबकारी एक्ट के तहत कुल 09 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये है जिनमें 08 प्रकरणों में 142 पाव देशी शराब कीमती करीबन 14200 रूपये एवं 01 प्रकरण 5 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती करीबन 500 रूपये कुल 09 प्रकरणों में 142 पाव देशी एवं 05 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त की गयी है।इन सभी कार्यवाही में तेंदूखेड़ा नगर निरीक्षक बी एल त्यागी सुआतला निरीक्षक प्रियंका केवट पलोहा निरीक्षक संतोष सरयाम तथा बरमान चौकी प्रभारी आशीष बोपचे एवं थानों के स्टाप की सराहनीय भूमिका रही।

नाबालिग लड़की को किया दस्तयाब

इसी कार्यवाही के चलते विगत 27 जनवरी को अपहरित हुई एक नाबालिग लड़की के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसकी तलाश करते हुए पुलिस ने उदयपुरा जिला रायसेन से नाबालिग लड़की को दस्तयाब करते हुए परिजनों को सुपुर्द किया है एवं आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

छींटाकशी करने वाले मजनुओं पर कार्यवाही: स्कूलों के इर्द-गिर्द बालिकाओं छात्राओं से छींटाकशी करने वाले या मोबाइल के माध्यम से अनावश्यक रील बनाने वाले मजनुओं के खिलाफ पुलिस सख्त हो गई है।इसी सिलसिले में तेंदूखेड़ा पुलिस ने समीपी ग्राम इमझिरा में स्कूल के समीप कुछ छात्राओं से छींटाकशी अश्लीलता करने वाले चार आरोपियों पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जेल भेजा है। इसमें एक नाबालिग भी शामिल हैं।